www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET Paper 3 June 27, 2010 Shift 1 Sociology Question Paper

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________
2. (Signature) ______________________
   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

J 0 5 1 0

Test Booklet No.

Time : 2 $^1/_2$ hours] **PAPER-III** [Maximum Marks : **200**

SOCIOLOGY

Number of Pages in this Booklet : **24** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

www.prepp.in

SOCIOLOGY

समाजशास्त्र

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred** (200) marks containing **four** (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Analyse the emerging scenario of rural society after the implementation of 73rd constitutional amendment.
तिहत्तरवें संवैधानिक संशोधन के क्रियान्वयन के बाद ग्रामीण समाज के उभरते परिदृश्य का विश्लेषण कीजिये ।

OR / अथवा

Analyse the role of social structure as a facilitator for development in India.
भारत में विकास के प्रोत्साहक के रूप में सामाजिक संरचना की भूमिका का विश्लेषण कीजिये ।

OR / अथवा

Discuss the impact of industrialization on family and social stratification.
परिवार और सामाजिक स्तरीकरण पर औद्योगिकीकरण के प्रभावों की विवेचना करें ।

OR / अथवा

Write an essay on population as a constraint and as a resource for development.
विकास के लिये बाधक और संसाधन के रूप में जनसंख्या पर निबन्ध लिखिये ।

OR / अथवा

Analyse the appropriateness of socialist feminism in the Indian context.
भारतीय संदर्भ में समाजवादी स्त्रीवाद की उपयुक्तता का विश्लेषण करें ।

www.prepp.in
Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

2. Critically examine the consequences of inclusion of caste in the Census of India.
भारत की जनगणना में जाति को शामिल करने के परिणामों की समीक्षा कीजिये ।

OR / अथवा

Analyse the impact of globalization on the social relations in Indian society.
भारतीय समाज में सामाजिक सम्बन्धों पर वैश्वीकरण के प्रभाव का विश्लेषण करें ।

OR / अथवा

Discuss the social consequences of privatization of higher education.
उच्च शिक्षा के निजीकरण के सामाजिक परिणामों की विवेचना कीजिये ।

Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
Rural Sociology
ऐच्छिक – I
ग्रामीण समाजशास्त्र

3. Clarify the concept of r-urbanism and analyse its appropriateness in understanding Indian rural society.
   ग्राम्य-नगरवाद की अवधारणा को स्पष्ट करें और भारतीय ग्रामीण समाज को समझने में उसकी उपयुक्तता का विश्लेषण करें ।

4. Discuss the main issues of the mode-of-production debate in India.
   भारत में उत्पादन-प्रणाली पर बहस से जुड़े मुख्य मुद्दों की विवेचना कीजिये ।

5. 'Does rural to urban migration contribute to upward mobility ?' Comment.
   'क्या ग्रामीण से शहरी प्रवसन ऊर्ध्वगामी गतिशीलता में योगदान करता है ?' टिप्पणी कीजिये ।

OR / अथवा
Elective – II
Industry and Society
ऐच्छिक – II
उद्योग और समाज

3. In what way did the industrial revolution promote Capitalism ? Give suitable examples.
   औद्योगिक क्रान्ति ने किस प्रकार पूँजीवाद को बढ़ावा दिया ? उपयुक्त उदाहरण दीजिये ।

4. How does rationality contribute to Industrial Development ? Answer in the light of Weber's views in this regard.
   औद्योगिक विकास में किस प्रकार विवेक का योगदान होता है ? इस सम्बन्ध में वेबर के विचारों के प्रकाश में अपना उत्तर दीजिये ।

5. Critically examine the limitations of industrial development.
   औद्योगिक विकास की सीमाओं की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिये ।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

OR / अथवा

Elective – III

Sociology of Development

ऐच्छिक – III

विकास का समाजशास्त्र

3. What is Human Development ? Can it be obtained through economic growth ? Comment.
   मानवीय विकास क्या है ? क्या इसे आर्थिक संवृद्धि के जरिये प्राप्त किया जा सकता है ?
4. Critically examine Myrdal's theory of underdevelopment with reference to India.
   भारत के संदर्भ में मिर्डाल के अल्पविकास के सिद्धान्त की आलोचनात्मक परीक्षा करें ।
5. Is Gandhian model of development still relevant for India ? Give reasons in support of your answer.
   क्या विकास का गांधीवादी मॉडल अभी भी भारत के लिये प्रासंगिक है ? अपने उत्तर की पुष्टि में कारण दीजिये ।

OR / अथवा

Elective – IV

Population and Society

ऐच्छिक – IV

जनसंख्या और समाज

3. Critically examine the Malthusian theory of population growth.
   माल्थस के जनसंख्या संवृद्धि के सिद्धान्त की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिये ।
4. Discuss the consequences of migration at place of origin and at place of destination.
   मूल स्थान और गंतव्य स्थान पर जनसंख्या प्रवसन के परिणामों की विवेचना करें ।
5. Analyse the role of socio-cultural factors in population growth in India.
   भारत में जनसंख्या की संवृद्धि में सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों की भूमिका का विश्लेषण कीजिये ।

OR / अथवा

Elective – V

Gender and Society

ऐच्छिक – V

लिंग और समाज

3. Discuss the implications of changing production and reproduction relations for women in India.
   भारत में स्त्रियों के लिये बदलते उत्पादन और प्रजनन सम्बन्धों के निहितार्थों की विवेचना कीजिये ।
4. How far development policies in India have brought out change in gender relations ?
   भारत में विकास नीतियाँ लिंगीय सम्बन्धों में कहाँ तक परिवर्तन लाई हैं ?
5. Can cultural indicators be evolved and standardised to assess the status of women of various social categories in India ? Explain.
   क्या भारत में विभिन्न सामाजिक श्रेणियों की स्त्रियों की प्रस्थिति का मूल्यांकन करने के लिये सांस्कृतिक सूचकों को उद्विकसित और मानकीकृत किया जा सकता है ? व्याख्या कीजिये ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine** (**9**) questions of **ten** (**10**) marks, each to be answered in about **fifty** (**50**) words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस** (**10-10**) अंकों के **नौ** (**9**) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (**50**) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What is 'Social World' according to Alfred Schutz ?
अल्फ्रेड शुत्ज़ के अनुसार 'सामाजिक जगत' क्या है ?

Prepp
Your Personal Exams Guide

7. Explain Foucault's concept of power.

शक्ति के बारे में फूको की अवधारणा की व्याख्या कीजिये ।

8. Explain the concept of structuration as given by Anthony Giddens.

एंथनी गिडेन्स द्वारा प्रतिपादित संरचनाकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिये ।

9. Who authored the report of 'The People of India' project ? How many communities of India were identified in it ? What was its criterion ?

'दी पीपल ऑफ इंडिया' प्रोजेक्ट की रिपोर्ट किसने लिखी ? इसमें भारत के कितने समुदायों की पहचान की गई है ? इसका मानक क्या था ?

10. Discuss D.P. Mukerji's Marxian perspective to the study of Indian society.
भारतीय समाज के अध्ययन के बारे में डी.पी. मुकर्जी के मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य की विवेचना कीजिये ।

11. What are the dimensions of caste-based inequalities in contemporary India ?
समकालीन भारत में जाति-आधारित असमानताओं के क्या आयाम हैं ?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

12. Describe factors which are contributing to ecological degradation.
पारिस्थितिक अधोगति में योगदान के कारकों का वर्णन कीजिये ।

13. Distinguish between crime and delinquency.
अपराध और अपचार के बीच अन्तर करें ।

14. Discuss the concept of modernity as propounded by Yogender Singh.
योगेन्द्र सिंह द्वारा प्रतिपादित आधुनिकता की अवधारणा की विवेचना कीजिये ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Read the following passage and answer the questions given below it :

Although neo-functionalism may not be a developed theory. Alexander has outlined some of its basic orientations. …. neo-functionalism operates with a descriptive model of society that sees society as composed of elements which, in interaction with one another, form a pattern. This pattern allows the system to be differentiated from its environment. Parts of the system are "symbiotically connected", and their interaction is not determined by some overarching force. Thus, neo-functionalism rejects any monocausal determinism and is open-ended and pluralistic.

Alexander argues that neo-functionalism devotes roughly equal attention to action and order. It thus avoids the tendency of structural functionalism to focus almost exclusively on the macro-level sources of order in social structures and culture and to give little attention to more micro-level action patterns. Neo-functionalism also purports to have a broad sense of action, including not only rational but also expressive action.

…… neo-functionalism retains the structural-functional interest in integration, not as an accomplished fact but rather as a social *possibility* ! It recognizes that deviance and social control are realities within social systems. There is concern for equilibrium within neo-functionalism, but it is broader than the structural-functional concern, encompassing both moving and partial equilibrium. There is a disinclination to see social systems as characterized by static equilibrium. *Equilibrium*, broadly defined, is seen as a reference point for functional analysis but not as descriptive of the lives of individuals in actual social systems.

…. neo-functionalism accepts the traditional Parsonsian emphasis on personality, culture and social system. In addition to being vital to social structure, the interpenetration of these systems also produces tension that is an ongoing source of both change and control.

Fifth neo-functionalism focuses on social change in the processes of differentiation within the social, cultural and personality systems. Thus, change is not productive of conformity and harmony but rather "individuation and institutional strains".

निम्नांकित परिच्छेद को पढ़िये और नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

यद्यपि नवप्रकार्यवाद विकसित सिद्धान्त नहीं है, एलेक्ज़ेंडर ने उसकी कुछ मूलभूत अभिमुखताओं की रूपरेखा दी है । नवप्रकार्यतावाद समाज के वर्णनात्मक प्रारूप के साथ परिचालित होता है, जो कि समाज को उन अवयवों से मिलकर बना हुआ देखता है जो एक दूसरे के साथ अंत:क्रिया करते हैं और एक प्रतिमान बनाते हैं । यह प्रतिमान व्यवस्था को उसके पर्यावरण से अलग करने देता है । व्यवस्था के भाग, अन्योन्यपोषक रूप से

Prepp
Your Personal Exams Guide

सम्बन्धित हैं और उनकी अंत:क्रिया किसी अपूर्व बल द्वारा निर्धारित नहीं होती है । अत: नवप्रकार्यवाद किसी भी एकल-कारक निर्धारणवाद को अस्वीकार करता है और वह खुले सिरे का व बहुलवादी है ।

एलेक्ज़ेंडर बहस करता है कि नवप्रकार्यवाद क्रिया और व्यवस्था को लगभग एक समान ध्यान देता है । अत:, वह सामाजिक संरचनाओं और संस्कृति में व्यवस्था के समष्टि-स्तर स्रोतों पर ही मात्र ध्यानाकर्षण हेतु और अधिक व्यष्टिवादी स्तर के क्रिया प्रतिमान पर कम ध्यान देने के लिये संरचनात्मक प्रकार्यवाद की प्रवृत्ति से बचता है । नवप्रकार्यवाद क्रिया के न सिर्फ विवेकपूर्ण परन्तु अभिव्यंजनाशील क्रिया के व्यापक बाँध की सोच भी रखता है ।

.... नवप्रकार्यवाद ने एकीकरण में, संरचनात्मक–प्रकार्यात्मक रुचि को बनाए रखा है, पूर्ण तथ्य के रूप में नहीं वरन् सामाजिक संभाविता के रूप में । उसने समझ लिया है कि सामाजिक व्यवस्थाओं के अन्दर विचलन और सामाजिक नियन्त्रण वास्तविकताएँ हैं । नवप्रकार्यवाद के अन्दर संतुलन के लिये सरोकार रहता है, परन्तु यह संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक सरोकार की तुलना में ज्यादा व्यापक है और गतिमान एवं आंशिक संतुलन दोनों को परिवेष्टित करता है । स्थिर संतुलन द्वारा चरित्रांकित सामाजिक व्यवस्थाओं को देखने की प्रवृत्ति नहीं है । ज्यादा व्यापक रूप से परिभाषित 'संतुलन' को प्रकार्यात्मक विश्लेषण के लिये संदर्भ बिन्दु समझा जाता है, परन्तु वास्तविक सामाजिक व्यवस्थाओं में व्यक्तियों के जीवन के वर्णन के रूप में नहीं ।

.... नवप्रकार्यवाद ने व्यक्तित्व, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था पर पारम्परिक पारसन्सवादी बल को स्वीकार किया है । सामाजिक संरचना के लिये महत्त्वपूर्ण होने के अतिरिक्त इन व्यवस्थाओं का अंतर्वेशन तनाव भी उत्पन्न करता है जो परिवर्तन और नियन्त्रण दोनों का सतत स्रोत है ।

पाँचवाँ, नवप्रकार्यवाद, सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यक्तित्व व्यवस्थाओं के अन्दर विभेदीकरण की प्रक्रियाओं में सामाजिक परिवर्तन पर ध्यान केन्द्रित करता है । अत: परिवर्तन, अनुरूपता और समरसता का उत्पादक नहीं है बल्कि "व्यक्तिकरण और सांस्थानिक तनावों" का उत्पादक है ।

15. Why is monocausal determinism rejected in neo-functionalism ?
नवप्रकार्यवाद में एकल कारक निर्धारणवाद क्यों अस्वीकार किया जाता है ?

16. Why are macro-micro level sources linked in neo-functionalism ?
समष्टि-व्यष्टि स्तर के स्रोत नवप्रकार्यतावाद में क्यों सम्बन्धित हैं ?

17. How has the concept of equilibrium been viewed in neo-functionalism ?
नवप्रकार्यवाद में संतुलन की अवधारणा पर किस प्रकार विचार किया जाता है ?

18. How has change been differently viewed in neo-functionalism ?
नवप्रकार्यतावाद में परिवर्तन को किस प्रकार भिन्न तरह से देखा गया है ?

19. Explain the differentiation within the social, cultural and personality systems with suitable examples.
सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यक्तित्व व्यवस्थाओं में विभेदीकरण की उपयुक्त उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिये ।

Prepp Your Personal Exam Guide

www.prepp.in

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....